NAAC ACCREDITED "B++" (CGPA 2.89)

Yogoda Satsanga Mahavidyalaya

Jagannathpur, Dhurwa, Ranchi-834004

www.ysmranchi.net

ysmranchi4@gmail.com

Course :MJ 1 Sem : 1

Lesson : The glory of Indian Literature

By : Dr. Amrita Dutta

© All Copyrights are Reserved

This Video is an Intellectual Property of Yogoda Satsanga Mahavidyalaya, Dhurwa, Ranchi, Jharkhand

The Glory of Indian Literature

Ever since human beings have invented scripts, writing has reflected the culture, lifestyle, society and the polity of contemporary society. In the process, each culture evolved its own language and created a huge literary base. This literary base of a civilization tells us about the evolution of each of its languages and culture through the span of centuries.

जब से मनुष्य ने लिपियों का आविष्कार किया है, लेखन ने समकालीन समाज की संस्कृति, जीवन शैली, समाज और राजनीति को प्रतिबिंबित किया है। इस प्रक्रिया में, प्रत्येक संस्कृति ने अपनी भाषा विकसित की और एक विशाल साहित्यिक आधार बनाया। किसी सभ्यता का यह साहित्यिक आधार हमें सदियों के अंतराल में उसकी प्रत्येक भाषा और संस्कृति के विकास के बारे में बताता है।

Sanskrit is the mother of many Indian languages. The Vedas, Upanishads, Puranas and Dharmasutras are all written in Sanskrit. There is also a variety of secular and regional literature. By reading about the languages and literature created in the past, we shall be able to understand our civilization better and appreciate the diversity and richness of our culture. All this was possible because of the language that developed during that time.

संस्कृत अनेक भारतीय भाषाओं की जननी है। वेद, उपनिषद, पुराण और धर्मसूत्र सभी संस्कृत में लिखे गए हैं। धर्मनिरपेक्ष और क्षेत्रीय साहित्य की एक किस्म भी है। अतीत में निर्मित भाषाओं और साहित्य के बारे में पढ़कर हम अपनी सभ्यता को बेहतर ढंग से समझ सकेंगे और अपनी संस्कृति की विविधता और समृद्धि की सराहना कर सकेंगे। यह सब उस समय विकसित हुई भाषा के कारण संभव हुआ।

Sanskrit is the most ancient language of our country. It is one of the twenty-two languages listed in the Indian Constitution .The literature in Sanskrit is vast, beginning with the most ancient thought embodied in the Rig Veda, the oldest literary heritage of mankind, and the Zend Avesta. It was Sanskrit that gave impetus to the study of linguistics scientifically during the eighteenth century.

संस्कृत हमारे देश की सबसे प्राचीन भाषा है। यह भारतीय संविधान में सूचीबद्ध बाईस भाषाओं में से एक है।संस्कृत साहित्य विशाल है, जिसकी शुरुआत ऋग्वेद, मानव जाति की सबसे पुरानी साहित्यिक विरासत और ज़ेंड अवेस्ता में सन्निहित सबसे प्राचीन विचार से हुई है। यह संस्कृत ही थी जिसने अठारहवीं शताब्दी के दौरान वैज्ञानिक रूप से भाषाविज्ञान के अध्ययन को प्रोत्साहन दिया।

The great grammarian Panini, analysed Sanskrit and its wordformation in his unrivalled descriptive grammar Ashtadhyayi. The Buddhist Sanskrit literature includes the rich literature of the Mahayana school and the Hinayana school also.The most important work of the Hinayana school is the Mahavastu which is a storehouse of stories. While the Lalitavistara is the most sacred Mahayana text which supplied literary material for the Buddhacarita of Asvaghosa.

महान व्याकरणविद पाणिनि ने अपने अद्वितीय वर्णनात्मक व्याकरण अष्टाध्यायी में संस्कृत और उसके शब्द निर्माण का विश्लेषण किया। बौद्ध संस्कृत साहित्य में महायान स्कूल और हीनयान स्कूल का समृद्ध साहित्य भी शामिल है। हीनयान स्कूल का सबसे महत्वपूर्ण कार्य महावास्तु है जो कहानियों का भंडार है। जबकि ललितविस्तार सबसे पवित्र महायान ग्रन्थ है जिसने अश्वघोष के बुद्धचरित के लिए साहित्यिक सामग्री प्रदान की।

The Vedas

The Vedas are the earliest known literature in India. The Vedas were written in Sanskrit and were handed down orally from one generation to the other. Do you know that preservation of the Vedas till today is one of our most remarkable achievements. To be able to keep such a literary wealth as the Vedas intact when the art of writing was not thereand there was a paucity of writing material is unprecedented in world history.

The word ‘Veda’ literally means knowledge. In Hindu culture, Vedas are considered as eternal and divine revelations. They treat the whole world as one human family Vasudev Kutumbakam.

There are four Vedas, namely, the- Rig Veda, Yajur Veda, Sama Veda and Atharva Veda.Each Veda consists of the Brahmanas, the Upanishads and the Aranyakas.

The Rig Veda, Sama Veda and the Yajur Veda are collectively known an Traji. In lateryears the Atharava Veda was incorporated in this group.

भारत में प्राचीनतम ज्ञात साहित्य वेद हैं। वेद संस्कृत में लिखे गए थे और एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी को मौखिक रूप से सौंपे जाते थे। क्या आप जानते हैं कि आज तक वेदों का संरक्षण हमारी सबसे उल्लेखनीय उपलब्धियों में से एक है। होना जब लेखन कला नहीं थी तब वेद जैसी साहित्यिक सम्पदा को अक्षुण्ण रखने में समर्थ थे और लेखन सामग्री की कमी थी जो विश्व इतिहास में अभूतपूर्व है।

'वेद' शब्द का शाब्दिक अर्थ है ज्ञान। हिन्दू संस्कृति में वेदों को माना गया है शाश्वत और दिव्य रहस्योद्घाटन। वे पूरे विश्व को एक मानव परिवार वासुदेव कुटुम्बकम मानते हैं।

चार वेद हैं, अर्थात् ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद और अथर्ववेद।

प्रत्येक वेद में ब्राह्मण, उपनिषद और आरण्यक शामिल हैं।

ऋग्वेद, सामवेद और यजुर्वेद को सामूहिक रूप से त्राजी के रूप में जाना जाता है। बाद में

बाद के वर्षों में अथर्ववेद को इस समूह में सम्मिलित किया गया।

Summery

Thank You